**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 3114

उत्‍तर देने की तारीख: 22.03.2018

**महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा उपयोग की गई निधि**

**3114. श्री विवेक गुप्ताः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 2015-16 के दौरान महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा अपनी कुल योजना निधि में से सिर्फ 31 प्रतिशत राशि का ही उपयोग किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और अनुदान की उपयोगिता में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किये गए हैं;

(ग) अनुसंधान में एमजीएएचवी के व्यय के संबंध में ब्यौरे क्या हैं; और

(घ) क्या यह भी सच है कि किसी भी अनुदान को पूंजीगत व्यय पर खर्च नहीं किया गया और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)**

(क) और (ख): विश्‍वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सूचित किया है कि वर्ष 2015-16 के दौरान, सामान्‍य विकास सहायता, बी.वॉक कार्यक्रम और सामुदायिक कॉलेज योजना के तहत महात्‍मा गांधी अंतरराष्‍ट्रीय हिन्‍दी विश्‍वविद्यालय (एमजीएएचवी) को 39.48 करोड़ रूपये की राशि जारी गई थी। एमजीएएचवी ने सूचित किया है कि वर्ष 2015-16 के दौरान 23.77 करोड़ रूपये का व्‍यय हुआ था, जो वर्ष 2015-16 के दौरान जारी अनुदान का 60% है।

(ग): यूजीसी एमजीएएचवी सहित सभी केंद्रीय विश्‍वविद्यालय को गैर-नेट फैलोशिप के तहत अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए निधियां जारी करता है और इस योजना के तहत एमजीएएचवी ने 10.45 करोड़ रूपये की राशि व्‍यय की है।

(घ): यूजीसी ने सूचित किया है कि XIIवीं योजना अ‍वधि (2012-17) के दौरान, विश्‍वविद्यालय द्वारा पूंजीगत परिसंपत्तियों के तहत 80.39 करोड़ रूपये का व्‍यय किया गया है।

**\*\*\*\*\***